तत्कालीन सचिव वीरभद्र जोशी पर संगीन आरोप, साथी कर्मचारी को अनैतिक तरीके से दिया लाभ

तत्कालीन सचिव तथा सरपंच को जारी हुआ कारण बताओ नोटिस

अनूपपुर, यशभारत। अनूपपुर जिले बदरा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बेलियाबडी जो अपने आप में स्वयं भ्रष्टाचार का एक पर्याय बन चुका है,जहा आए दिन कोई न कोई भ्रष्टाचार का मामला समाचार पत्रों के माध्यम से सामने आ ही जाता है।ग्राम पंचायत बेलियाबड़ी के भ्रष्टाचार के नए मामले में कार्यालय जनपद पंचायत अनूपपुर द्वारा प्राप्त शिकायत की जांच के उपरांत मामला सही पाए जाने पर ग्राम पंचायत छिल्पा के सचिव अनिल मिश्रा तथा ग्राम पंचायत बेलियाबड़ी के तत्कालीन सचिव वीरभद्र जोशी तथा तत्कालीन सरपंच बेलियाबड़ी गुड़िया कोल को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए 03 दिवस के अंदर जवाब मांगा है।

इस मामले में जारी हुआ पत्र

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अनूपपुर द्वारा जारी पत्र क्रमांक/579/ज.प./मनरेगा/लेखा 2024 अनूपपुर दिनांक-01/05/2024 में बताया गया कि कार्यालय जनपद पंचायत अनूपपुर को शिकायतकर्ता द्वारा प्राप्त पत्र में उल्लेखित किया गया था कि ग्राम पंचायत बेलियाबड़ी में वित्तीय वर्ष 2021-22 में मनरेगा योजना से हितग्राही मूलक योजना कैटल शेड (1746002008/ढूब्ब/ 22012034617 877) का लाभ संतोषी मिश्रा/अनिल कुमार,निवासी ग्राम पंचायत बेलियाबड़ी को, तत्कालीन सचिव ग्राम पंचायत बेलियाबड़ी बीरभद्र जोशी एवं तत्कालीन सरपंच गुड़िया कोल के द्वारा प्रदाय किया गया है।जबकि अनिल कुमार मिश्रा स्वयं एक शासकीय सेवक हैं जो कि वर्तमान में ग्राम पंचायत छिल्पा,जनपद पंचायत अनूपपुर में सचिव के पद पर पदस्थ हैं।जो कि जॉच का विषय है।

जांच में मामला सही पाए जाने पर जारी हुआ नोटिस

उक्त शिकायत के सम्बंध में जब कार्यालय जनपद पंचायत अनूपपुर द्वारा मनरेगा ऑनलाईन रिपोर्ट की जाँच की गई तो मामले की हकीकत सामने आ गई।जिसमें यह पाया गया कि उक्त कार्य वित्तीय वर्ष 2020-21 में स्वीकृत किया गया था।जिसकी प्रशासकीय स्वीकृति राशि 101805 /-रूपये है।उक्त कार्य पर राशि 100479 /- रूपये व्यय हुई है,कार्य वर्तमान में पूर्ण है एवं ऑनलाईन सी.सी. दिनांक 08/12/2023 को जारी हुआ है।तथा ग्राम पंचायत बेलियाबड़ी के तत्कालीन सचिव वीरभद्र जोशी और तत्कालीन सरपंच गुड़िया कोल द्वारा अपात्र हितग्राही

को कैटल शेड निर्माण योजना का लाभ प्रदान किया गया है जो कि शासकीय नियमों के विरूद्ध है। जिसके बाद मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत अनूपपुर द्वारा तीनो को कारण बताओ नोटिस जारी कर निर्देशित किया है सभी अपना जवाब 03 दिवस के अन्दर कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करे अन्यथा कैटल शेड निर्माण में व्यय की गई सम्पूर्ण राशि की वसूली उक्त भ्रष्टाचार में लिप्त तीनो लोगो से की जायेगी।

पूर्व में भी जारी हुआ का कारण बताओ नोटिस

उक्त कारण बताओ नोटिस के पूर्व में भी कार्यालय जनपद पंचायत अनूपपुर द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी कर वर्तमान सचिव अनिल कुमार मिश्रा से उक्त कैटल शेड मामले में जवाब चाहा गया था,किंतु एक बार पुनः छिल्पा सचिव अनिल कुमार मिश्रा के अलावा ग्राम पंचायत बेलिया बड़ी के तत्कालीन सचिव वीरभद्र जोशी तथा तत्कालीन सरपंच गुड़िया कोल को नोटिस जारी मामले में 03 दिवस में जवाब मांगा गया है।कही ऐसा तो नहीं कि नोटिसद्दनोटिस के इस खेल में कार्यवाही शून्य रहे और दोषी लगातार भ्रष्टाचार पे भ्रष्टाचार को खुलकर अंजाम देते रहे।

आखिर भ्रष्टाचार के दोषियों पर क्या होगी कार्यवाही

सीईओ जनपद पंचायत अनूपपुर द्वारा अपने नोटिस में राशि वसूली की कार्यवाही की बात कही है किंतु राशि वसूलीसे क्या यह कार्यवाही पूर्ण मानी जा सकती है।क्योंकि वसूली से राशि सरकारी कोष में तो जमा हो जायेगी किंतु योजनाबद्ध तरीके से बिना किसी भय के सरकारी योजना और सरकारी राशि के बंदरबांट की हिम्मत जो दोनो शासकीय कर्मचारियो और जनता के निर्वाचित जनप्रतिनिधि के द्वारा दिखाते हुए भ्रष्टाचार किया गया है इसकी सजा भी इन सभी को मिलनी चाहिए जिससे भविष्य में इस प्रकार के भ्रष्टाचार करना तो दूर इसके विषय में कर्मचारी सोचने से भी डरे।

इनका कहना है

उक्त मामले में तीनो व्यक्ति जिम्मेदार है,हमारे द्वारा तीनो को कारण बताओं नोटिस जारी कर निर्धारित समय पर जवाब मांगा गया है,तथा कैटल शेड निर्माण हेतु आहरित राशि भी तीनो से वसूल की जाएगी।
ऊषा किरण गुप्ता, सीईओ, जनपद पंचायत, अनूपपुर

छत पर काम कर रहे वृद्ध की करंट लगने से हुई मौत, एक युवक गंभीर

अनूपपुर, यशभारत। कोतवाली थाना अनूपपुर अंतर्गत बम्हनी गांव में बुधवार की रात अपने ही घर की छत में काम कर रहे एक 50 वर्षीय वृद्ध की गांव से निकली बिजली तार से करंट लगने से जिला अस्पताल पहुंचने के पूर्व मौत हो गई वहीं 30 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल होने पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया है, ड्यूटी डॉक्टर की सूचना पर जिला अस्पताल पुलिस द्वारा गुरुवार की सुबह परिजनों की उपस्थिति में मृतक के शव का ड्यूटी डॉक्टर से शव परीक्षण कराने के साथ कार्यवाही प्रारंभ की। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली थाना अनूपपुर से 25 किलोमीटर दूर स्थित बम्हनी गांव में बम्हनी से छिल्पा जाने वाले मुख्य मार्ग के किनारे निवास रत 50 वर्षीय रामविनोद पटेल पता प्रीतम पटेल जो अपने घर के छज्जे को तोड़वाने का काम गांव के ही मिस्त्री प्रवीण पिता बोधराम पटेल 30 वर्ष के साथ मिलकर ड्रिल मशीन के माध्यम से काम कर रहे थे तभी बुधवार की रात 10ः30 बजे के लगभग काम करते समय बम्हनी से छिल्पा की ओर गयी 11 के व्ही लाइन जिसमे प्लास्टिक कवर लगा था के बीच में कवर ना होने पर करंट लगने से मिस्त्री प्रवीण पटेल घायल हुआ जिसे बचाने के लिए दौड़े रामविनोद पटेल के हाथ एवं शरीर के अन्य हिस्सों में करंट लगने एवं करंट के झटके से छत से नीचे जमीन पर गिरने पर गंभीर रूप से घायल हुए जिन्हे निजी वाहन से देर रात जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाकर ड्यूटी डॉक्टर एम डी औजेर से परीक्षण कराया गया जिस पर परीक्षण दौरान डॉक्टर ने रामविनोद पटेल की जिला अस्पताल पहुंचने के पूर्व मृत होना बताते हुए घटना की जानकारी जिला अस्पताल पुलिस को दी वही करंट लगने से 30 वर्षीय प्रवीण पटेल पिता बोधराम पटेल गंभीर रूप से घायल स्थिति में जिला चिकित्सालय में उपचाररत है गम्भीर रुप से घायल का बेहतर उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर किया गया है।

शासकीय प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक का मिला शव, तीन दिन से थे लापता

अनूपपुर, यशभारत। जिले के राजेन्द्रग्राम थाना क्षेत्र अंतर्गत कॉलेज तिराहा के पास 1 मई को अज्ञात शव देखे जाने की सूचना राहगीरों द्वारा पुलिस को दी गई। जहां सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए आसपास के लोगो से शव की शिनाख्त हेतु पूछताछ की गई। जहां पूछताछ में मृतक की पहचान अर्जुन सिंह पिता मिठ्ठु सिंह परस्ते उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम लाखौरा के रूप में की गई। जिसके बाद पुलिस ने पंचनामा तैयार करते हुए शव को पीएम हेतु अस्पताल भेजा गया, जहां पीएम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच में जुटी हुई है। परिजनों ने बताया कि मृतक अर्जुन सिंह परस्ते जो कि शासकीय प्राथमिक विद्यालय लाखौरा में शिक्षक है, जो तीन दिन पहले घर से निकले थे और वापस नही आये।

आपसी रंजिश में मारपीट युवक हुआ लहू-लुहान, अस्पताल में चल रहा है इलाज

मामला हुआ दर्ज, घर मे घुसकर किया अपराध, पुलिस नही लगा रही है पूरी धारा

अनूपपुर, यशभारत। अनूपपुर जिले के आदिवासी बाहुल्य पुष्पराजगढ़ के अमरकंटक थाना क्षेत्र का है जहां पर ग्राम पंचायत खजुरवार निवासी संजीव कुमार नागवंशी पिता पन्नालाल नागवंशी उम्र 32 वर्ष ने अमरकंटक थाना में एफआईआर दर्ज कराया है कि शाम करीब 5 बजे संजीव की पत्नी खलेश्वरी पीछे जहां पर मकान बनाने के लिए प्लेट लगा था वहां पर खड़ी थी उसी समय मनोज, राधेश्याम, शिवहनिया बाई आकर लड़ाई झगड़ा मारपीट करने लगे आवाज सुनकर जब संजीव आया तो देखा कि उसकी पत्नी के गला को मनोज दबाकर रहा है उसे धक्का देकर अलग किया तो मनोज, राधेश्याम गाली देते हुए शिवहनिया बाई संजीव व उसकी पत्नी को हाथ से मारपीट करने लगा, उसी समय पत्नी खलेस्वरी वहां से बच्चे को लेकर चली गई तो मनोज संजीव पर फावड़ा से मारा उसी समय शिव कुमार नागवंशी भी आ गया वह भी उसे गाली गलौज कर मारपीट किया जिससे बाएं तरफ सिर में लगा जिससे खून निकलने लगा तभी राधेश्याम लाठी से मारपीट किया। पत्नी के साथ मनोज व राधेश्याम मारपीट किए जिससे उसकी पत्नी के

गला सीना दाहिने हाथ कंधा में चोट लगी है तीनों कह रहे थे कि आज बच गए किसी दिन तुम्हें जान से खत्म कर देगे।

अर्ध धारा लगाकर पुलिस झाड़ रही पल्ला

प्रार्थी एवं परिजन में पुलिस पर आरोप लगाते हुए बताया है कि आरोपी मनोज नागवंशी,राधेश्याम नागवंशी, शिवहनिया बाई नागवंशी एवं शिवकुमार नागवंशी को बचाने के लिए पुलिस के द्वारा साधारण व अर्थ धारा 294, 323, 506, 34 लगाकर मामला पंजीबद्ध की है। जबकि पीड़ित संजीव कुमार को लोहे के धारदार फावड़ा से हमला करने के कारण लंबा चौड़ा चोंट आया है और अत्यधिक रक्त स्राव भी हुआ है जिसके कारण अभी भी वह अस्पताल में इलाज करा रहा है और यह घटना प्रार्थी के घर में घुसकर की गई है। पुलिस के द्वारा डॉक्टर रिपोर्ट का बहाना बता कर 307 का केस नहीं लगा रही है और ना ही घर में घुसकर अपराध करने का मामला बना रही है जबकि रक्तस्राव होने के पश्चात एफआईआर दर्ज धारा के अतिरिक्त अन्य धारा भी बढ़ाया जाना न्याय संगत रहता। वर्तमान में पीड़ित जिला अस्पताल अनूपपुर में अपना इलाज कर रहा है एवं आगे की कार्यवाही व न्याय के लिए पुलिस अधीक्षक जिला अनूपपुर को अपना आवेदन प्रस्तुत किया है।

इनका कहना है

यह मामला हमारे संज्ञान में है हमारे द्वारा उक्त प्रकरण में एफआईआर दर्ज कर ली गई है अपराध धाराएं डॉक्टर रिपोर्ट के आधार पर लगाई गई है कार्यवाही की जा रही है।
कलीराम परते, थाना प्रभारी, अमरकंटक

ठेकेदार सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कर रहा है अनदेखी

दर्जनों फलदार आम के पेड़ काटने की तैयारी- लोगों में भारी आक्रोश

अनूपपुर, यशभारत। बदरा में करोड़ों रुपए की लागत से बन रही सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण के काम में ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता विहीन काम कराया जा रहा है जिसे देखने वाला कोई नहीं है निर्माणाधीन भवन को पूरी तरह मजदूरों व अप्रशिक्षित लोगों के भरोसे छोड़ दिया गया है जो अपने ज्ञान व सुविधानुसार काम कर रहे हैं यहां पर निर्माण कार्य से संबंधित बोर्ड तक नहीं है जिससे ठेकेदार के मंशा पर सवाल खड़े होना लाजिमी है । बताया गया है कि कोरम पूरा करने के लिए ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य वाले जगह में सबसे पीछे एक दीवार पर प्रयोगशाला सीएम राइज स्कूल व ठेकेदार का नाम लिख कर अधिकारियों को भ्रमित करने का प्रयास किया गया है जबकि नियमों की यदि बात किया जाये तो किसी भी बड़े निर्माण कार्य को शुरू करने के पहले मुख्य द्वार पर जानकारी वाला बोर्ड लगाने के निर्देश शासन द्वारा दिये गए हैं जिसमें साफ साफ निर्माण कार्य व निर्माण एजेंसी का नाम, स्वीकृति वर्ष, पूर्णता अवधि, कार्य की लागत एवं मजदूरी दर की पूरी जानकारी देनी चाहिए परन्तु ठेकेदार ने जिम्मेदार लोगों के साथ सांठगांठ करते हुए ऐसा नहीं किया जिससे पहले ही दिन से उनके मंशा पर सवाल खड़े हो रहे हैं लिहाजा कलेक्टर को खुद स्थल निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की जानी

चाहिए । नियमों की यदि बात की जाये तो सब इंजीनियर के देख रेख में काम किया जाना चाहिए जिससे कार्य में गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे लेकिन यहां पर पूरा काम मजदूरों के भरोसे छोड़ दिया गया है और अप्रशिक्षित लोग अपने हिसाब से काम कर रहे हैं जिसके चलते करोड़ों रुपए के निर्माण कार्य में गुणवत्ता की कमी देखी जा सकती है । बताया गया है कि बदरा में सीएम राइज स्कूल भवन निर्माण के लिए साशन द्वारा 22 करोड़ रुपये स्वीकृत किया गया है जिसका ठेका मेसर्स मोहन पोद्दार रायपुर को दिया गया है इस काम को नियमों व निर्धारित प्राक्कलन के अनुसार कराने की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग की है लेकिन अनूपपुर जिले में लोक निर्माण विभाग की स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं है । बताया गया है कि निर्माण एजेंसी द्वारा सब इंजीनियर रखने की बात कही गई है किंतु वे कभी भी स्थल पर मौजूद नहीं रहते हैं।

फलदार पेड़ काटने की तैयारी

बदरा में निर्माणाधीन सीएम राइज स्कूल परिसर में लगे फलदार आम के दर्जनों पेड़ काटने की तैयारी की जा रही है जिससे क्षेत्र में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है लोगों का कहना है कि लगभग पचास साल से अधिक पुराने आम के फलते फूलते पेड़ो को काटने से जहां पर एक ओर पर्यावरण को नुकसान होगा वहीं पर दूसरी तरफ लोगों की भावना भी आहत हो रही हैं लोगों ने कहा कि साशन प्रशासन पेड़ लगाने की बात करता है लेकिन वर्षों पुराने फलदार पेड़ो को काटने की इजाजत देने में संकोच नहीं करता है बेहतर होता कि आधुनिक तकनीक से सभी वृक्षों को अंयत्र लगाया जाता लेकिन पैसे बचाने के चक्कर में ठेकेदार द्वारा पेड़ो को कटवाने की तैयारी की जा रही है निर्माण स्थल पर मौजूद ठेकेदार के एक कार्यकर्ता द्वारा बताया गया कि आम के पेड़ों को काटने की अनुमति मिल गई है जल्दी ही सभी पेड़ो को कटवाने का काम किया जायेगा । जिला कलेक्टर आशीष वशिष्ठ एक ईमानदार अधिकारी हैं लिहाजा ग्रामीणों ने उनसे अपेक्षा की है कि पूर्वजों द्वारा लगाए गए फलदार आम के पेड़ों को बचाने एवं सीएम राइज स्कूल के निर्माण कार्य में बरते जा रहे अनियमितिता की निष्पक्ष जांच शुरू कर कार्यवाही करेंगे।इस मामले में जब इंजीनियर को कॉल किया गया तो उनका नम्बर नही लगा।

पशु तस्करी करते 6 नग मवेशी पिकअप सहित जप्त, 02 पर मामला हुआ दर्ज

अनूपपुर, यशभारत। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सकरा में पुलिस ने पशु तस्करी के मामले में 6 नग मवेशियों सहित पिक अप वाहन को जब्त करते हुए पशु क्रूरता अधिनियम एवं एमबी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए वाहन चालक वा वाहन मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि 30 अप्रैल की रात लगभग 11 बजे मुखबिर की सूचना पर ग्राम सकरा के पास वाहन क्रमांक एमपी 19 जेड 8520 को रोककर वाहन की तलाशी ली गई, जहां वाहन में 6 नग मवेशी लोड़ थी, जिस संबंध में वाहन चालक विष्णु गुप्ता पिता राममणी गुप्ता सतना से पूछताछ की गई, जिसने उक्त मवेशियों को सकरा से सतना ले जाना बताया तथा वैद्य दस्तावेज नही होने पर पुलिस उक्त वाहन को जब्त करते हुए वाहन चालक वा वाहन मालिक के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

तेज गति से वाहन चलाने वाले 16 वाहन चालकों पर हुई कार्रवाही, ड्राइविंग लाइसेंस होंगे सस्पेंड

अनूपपुर, यशभारत। तेज गति से वाहन चलाना सड़क दुर्घटना का मुख्य कारण है जिस पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से तेज गति से वाहन चलाने वाले वाहन चालकों को चेक कर कार्रवाई करने हेतु पुलिस मुख्यालय पीटीआरआई द्वारा जिले के थाना यातायात को इंटरसेप्टर व्हीकल विथ स्पीड डिटेक्टर मशीन के प्रदाय किया गया है, जिसका अधिक से अधिक उपयोग कर ओवर स्पीड वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेन्द्र सिंह पवार के निर्देशानुसार यातायात पुलिस द्वारा तीन दिन में चेकिंग दौरान 16 फोर व्हीलर वाहन चालक, जो ओव्हर स्पीड में वाहन चलाते पाए गए जिस पर कार्रवाई करते हुए वाहन चालकों से जुर्माना वसूला गया, साथ ही ऐसे वाहन चलाको के ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड करने हेतु जिला परिवहन कार्यालय भेजे गए। बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चालक एवं बिना सीट बेल्ट चार पहिया वाहन चालकों पर चालानी कार्रवाई की गई?। चेकिंग के दौरान 82 दो पहिया वाहन चालक बिना हेलमेट पाए गए ,जिन पर चालानी कार्रवाई की गई साथ ही 27 वाहन चालक बिना सीट बेल्ट फोर व्हीलर चलाते पाए गए जिन पर चालानी कार्यवाही करते हुए जुर्माना वसूल किया गया, कुल 125 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई।

शिकार करने घर में घुसा तेंदुए को कमरे में किया कैद, देर रात किया रेस्क्यू

उमरिया, यशभारत। उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बीते दो दिनों से तेंदुआ की हलचल देखी जा रही है। इसी बीच आज फिर देर रात शिकार करने के लिए बेल्दी गांव में तेंदुआ घुसा। लेकिन इस बार गांव वाले तेंदुआ से चार कदम निकले। जैसे ही तेंदुआ आया ग्रामीणों ने उसे कमरे में कैद कर दिया। रात एक तेंदुआ ने घर में घुसकर 5 वर्षीय बच्ची को अपना शिकार बनाने की कोशिश की थी। इस दौरान बच्ची की नानी ने अपनी जान दांव पर लगाकर उसे तेंदुए के चंगुल से छुड़ा लिया था। इसी कड़ी में आज फिर तेंदुआ देर रात बेल्दी गांव में शिकार करने के लिए निकला। लेकिन इस बार ग्रामीण पहले से ही चौकन्ने थे। जैसे ही तेंदुआ शिकार करने घर में घुसा गांव वालों ने उसे कमरे में कैद कर दिया। इसके बाद बांधवगढ़ प्रबंधन को सूचना दी। फिर देर रात बांधवगढ़ टीम ने तेंदुए को रेस्क्यू करने का निर्णय लिया और फिर कड़ी मशक्कत के बाद आखिर उसे पिंजरे में कैद किया।

बलात्कार के झूठे मामले में गिरफ्तारी का डर दिखाकर 3.6 लाख हुई ठगी

अनूपपुर, यशभारत। जिले में सायबर क्राइम के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है, जिसमें बच्ची की गिरफ्तारी का डर दिखाकर जैतहरी के मुख्य बाजार में रहने वाले एक व्यवसाई के साथ सायबर जालसाजों द्वारा 3 लाख 60 हजार की ठगी की शिकायत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इशरार मन्सूरी से की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जैतहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर के वार्ड क्रमांक 8 मेन मार्केट में निवासी कमलेश कुमार ताम्रकार निवासी वार्ड क्रमांक 8 मेन मार्केट जैतहरी ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इशरार मन्सूरी से शिकायत में बताया गया कि सुबह लगभग 11 बजे अज्ञात व्यक्ति द्वारा वॉट्सएप नंबर पर कॉल कर बेटे अबिन ताम्रकार को रेप केस में पकड़ लिए जाने तथा उसके पुलिस रिमांड में होने की बात कहने के साथ बेटे अबिन की फर्जी आवाज सुनाकर उसे जेल जाने से बचाने के एवज में लगातार फोन कर अलग-अलग खाता नंबर एवं फोन पे नंबर पर 3 लाख 60 हजार रूपए डालवाते हुए सायबर ठगी की गई। उक्त शिकायत को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इशरार मन्सूरी ने गंभीरता से लेते हुए साइबर सेल अनूपपुर को त्वरित कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया था, जिस पर साइबर सेल अनूपपुर द्वारा आरोपियों के समस्त खातों को फ्रीज करते हुए, आरोपियों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा रही है। वहीं जैतहरी पुलिस ने उक्त मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 420 के तहत मामला दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया गया है।

बैंक के लॉकर से अचानक लाखों की ज्वेलरी हुई गायब, बैंक की कार्यशैली संदेह के घेरे में

पुलिस थाना में पीड़ित ने दर्ज कराई शिकायत, जांच के बाद होगा खुलासा

शहडोल, यशभारत। शहडोल जिले के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया बुढ़ार शाखा से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां बैंक के लॉकर में रखे उपभोक्ता के 20 लाख से अधिक के जेवरात गायब हो गए। उपभोक्ता ने मामले की शिकायत बैंक प्रबंधन सहित पुलिस थाने में दर्ज कराई है। वहीं मामला तूल पकड़ता देख बैंक मैनेजर पल्ला झड़ते हुए उपभोक्ता पर ही आरोप लगा रहे हैं। बुढ़ार थाना क्षेत्र के रहने वाले व्यवसायी दातूमल विशनदासानी का यूनियन बैंक में बचत खाता है। उन्होंने जब से बैंक में लॉकर की सुविधा शुरू हुई, तब से अपने लॉकर नंबर-149 में परिवार के जेवरात रखते थे। इस दौरान वो आवश्यकता अनुसार, लॉकर खोलते, बंद करते थे। किन्ही कारणों से उन्होंने लंबे समय से लॉकर नहीं खोला। 16 फरवरी को वे अपने लॉकर को काफी प्रयासों के बाद भी नहीं खोल पाए, जिसकी सूचना बैंक प्रबंधन को दी गई। दूसरे दिन बैंक प्रबंधन ने लॉकर को उपभोक्ता के सामने खुलवाया। जिसे देखकर सभी के होश उड़ गए। लॉकर में रखे सभी जेवरात गायब थे। उन्होंने बैंक प्रबंधन से ज्वेलरी गायब होने की वजह पूछी, तो बैंक प्रबंधन पल्ला झाड़ते हुए उपभोक्ता को जिम्मेदार ठहराने लगा। इसके बाद इसकी शिकायत उपभोक्ता ने पुलिस में दर्ज कराई। इस मामले में बैंक प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। बता दें कि जब किसी उपभोक्ता का लॉकर खराब होने की स्थिति में तो उसे तुड़वाया या फिर किसी अन्य सोर्स से खुलवाया जाता है। इस दौरान बैंक की ओर से उसकी पूरी वीडियोग्राफी कराई जाती है। जो कि यूनियन बैंक के

जिम्मेदारों ने नहीं कराई है, जो अब संदेह के घेरे में है। इस मामले में बैंक मैनेजर प्रताप सिंह कुछ भी कहने से बचते रहे। उन्होंने उपभोक्ता द्वारा आरटीआई में कुछ जानकरी मांगी है और जवाब देने की बता कही है। वहीं वीडियोग्राफी नहीं के सवाल पर वह कैमरे से छुपते नजर आए। थाना प्रभारी संजय जैसवाल का कहना है कि बैंक के लॉकर से ज्वेलरी गायब होने की एक शिकायत मिली है। इस शिकायत का संबंध बैंक से है। बैंक के आंतरिक जांच का विषय है। बैंक कोई जांच रिपोर्ट पेश करेगी, यदि कोई अपराध बनेगा तो मामला दर्ज किया जाएगा।मामला चाहे जो भी हो, लेकिन बैंक के लॉकर से उपभोक्ता के ज्वेलरी गायब होना गंभीर मामला है। अब इस मामले की बारीकी से जांच के बाद ही स्थित स्पष्ट हो पाएगी। अब सवाल यह खड़ा होता कि ज्वेलरी गायब होने के पीछे बैंक प्रबंधन की कोई चाल है या फिर उपभोक्ता की कोई साजिश ? लेकिन बैंक प्रबंधन की ओर से लॉकर तुड़वाने के दौरान वीडियोग्राफी नहीं करवाना ये कही और इशारा करती।